

## संस्कृत

### 1. वैदिक साहित्य

वैदिक साहित्य का इतिहास

वैदिक काल—निर्धारण के विषय में विभिन्न सिद्धान्त—मैक्समूलर; ए० बेबर; जैकोबी; बालगंगाधर तिलक; एम्० विन्टरनिट्ज एवं भारतीय परम्परागत विचार ।

#### वेदांग

वेदांगों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

शिक्षा; कल्प; व्याकरण; निरुक्त; छन्द; ज्योतिष ।

निरुक्त (अध्याय 1 और 2)

चार पद— नाम का विचार; आख्यात का विचार; उपसर्गों का अर्थ; निपातों की कोटियाँ ।

क्रिया के छः रूप (षड्भावविकार)

निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य

निर्वचन के सिद्धान्त

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ

आचार्य, गो, वृत्र, आदित्य, वाक्, नदी, पुत्र, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु ।

#### देवता

ऋग्वेद— अग्नि 1.1; 5.8; सवितृ 1.35; 2.38; इन्द्र 1.32; 2.12; रुद्र 1.114; पुरुष सूक्त 10.121; नासदीय 10.129; हिरण्यगर्भ 10.121;

यजुर्वेद— शिवसंकल्प सूक्त 34.1-6;

अथर्ववेद—भूमि सूक्त 12.1;

#### विषय—वस्तु

संहिता— सामान्य परिचय

ब्राह्मणग्रन्थ— सामान्य परिचय

आरण्यकग्रन्थ— सामान्य परिचय

उपनिषद्— ईश; केन; कठ; तैत्तिरीय, बृहदारण्यक

वैदिक व्याख्या पद्धति— प्राचीन एवं अर्वाचीन; वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर ।

### 2. दर्शन

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका—

सत्कार्यवाद; पुरुष—स्वरूप; प्रकृति स्वरूप; सृष्टि—क्रम; प्रत्ययसर्ग एवं कैवल्य ।

सदानन्द का वेदान्तसार—

अनुबन्ध—चतुष्टय; अज्ञान; अध्यारोप—अपवाद; विवर्त; जीवनमुक्ति ।

केशवमिश्र की तर्कभाषा—

पदार्थ; कारण; प्रमाण—प्रत्यक्ष; अनुमान; उपमान; एवं शब्द प्रमाण ।

जैन दर्शन एवं बौद्धदर्शन का सामान्य अध्ययन ।

### 3. व्याकरण

परिभाषाएं— संहिता; गुण; वृद्धि; प्रातिपदिक; नदी; घि; उपधा; अपृक्त; गति; पद; विभाषा; सवर्ण; टि; प्रगृह्य; सर्वनामस्थान; निष्ठा ।

शब्द रूप— अजन्त, हलन्त, सर्वनाम एवं संख्यावाचक शब्द ।

धातु रूप— परस्मैपदी, आत्मनेपदी एवं उभयपदी ।

प्रत्यय—कृत एवं तद्धित प्रत्यय ।

कारक— लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

समास— लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

सन्धि— लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

### 4. संस्कृत एवं उत्तराखण्ड का आधुनिक संस्कृत साहित्य तथा काव्यशास्त्र

पद्य— रघुवंश; मेघदूत; किरातार्जुनीय; शिशुपालवध; नैषधीयचरित; बुद्धचरित—सामान्य परिचय

गद्य— दशकुमारचरित; हर्षचरित; कादम्बरी; भीष्मचरित; गंगापुत्रावदान—सामान्य परिचय

नाटक— स्वप्नवासवदत्ता; अभिज्ञानशाकुन्तल; मृच्छकटिक; उत्तररामचरित; मुद्राराक्षस;

रत्नावली; वेणीसंहार—सामान्य परिचय

#### काव्यशास्त्र

साहित्यदर्पण

काव्य की परिभाषा

काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन

शब्दशक्ति— संकेतग्रह; अभिधा; लक्षणा; व्यंजना

रस (रस—भेद स्थायी भावों सहित)

रूपक के प्रकार

नाटक के लक्षण

महाकाव्य के लक्षण

#### अन्य

रामायण; महाभारत; पुराण; मनुस्मृति; याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय); कौटिलीय

अर्थशास्त्र ।

.....